शासकीय चन्दूलाल चन्द्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार–प्रसार कार्यशाला"

दिनांक : 13 एवं 14 मार्च 2026

प्रायोजक : राज्य परियोजना कार्यालय – राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रायपुर

संयोजक
जागृत कुमार
डॉ. गौरव शर्मा

प्राचार्य एवं संरक्षक
डॉ. नंदा गुरवारा

<u>कार्यालय प्राचार्य</u>
शासकीय चंदूलाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन, जिला–दुर्ग
छत्तीसगढ़

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार–प्रसार कार्यशाला''

दिनांक –13.03.2026

प्रतिवेदन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से शासकीय चंदूलाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन को राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रुसा रायपुर के द्वारा रुसा 2.0 प्रिपेरटरी ग्रांट के अंतर्गत बजट आबंटन प्राप्त हुआ। इस बाबत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार–प्रसार हेतु दो–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार–प्रसार टोली के द्वारा गीत, प्रहसन, नृत्य–नाटिका, लघु प्रहसन, नुक्कड़–नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस महाविद्यालय द्वारा दुर्ग संभाग के सभी महाविद्यालयों को आमंत्रित किया गया। जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों से 01 प्राध्यापक /सहायक प्राध्यापक एवं 02 विद्यार्थियों की टोली ने NEP 2020 के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिभागिता की।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रचार–प्रसार कार्यशाला के प्रथम दिवस का आयोजन उद्घाटन दिनांक 13.03.2026 को अतिविशिष्ट अतिथि डॉ मैथिलीशरण गुप्ता, संचालक राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रुसा के कर –कमलों से हुआ। सर्वप्रथम स्व. चंदूलाल चंद्राकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया इसके पश्चात दीप–

प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। छत्तीसगढ़ी राजगीत् की प्रस्तुति की गयी इसके बाद महाविद्यालय अतिथियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

राज्य परियोजना कार्यालय रुसा रायपुर के संचालक डॉ मैथिलीशरण गुप्ता ने संबोधित करते हुए महाविद्यालय एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा को इस आयोजन के लिए बधाई दी एवं प्रशंसा की । आपने विभिन्न महाविद्यालय के आमंत्रित सदस्यों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार–प्रसार एवं सफल क्रियांवयन के लिए बधाई दी । प्राचार्य एवं कार्यशाला संरक्षक डॉक्टर नंदा गुरवारा के कार्यशाला में पधारे हुए अतिथियों, विषय–विशेषज्ञों, प्राध्यापकों एवं NEP एम्बेस्डर्स का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा 2.0 से प्राप्त अनुदान के माध्यम से शासकीय महाविद्यालय पाटन में दो दिवसीय

कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। आपने आगे बतलाया कि वैदिक काल से भारत देश सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं तथा भाषा एवं शिक्षा की दृष्टि से समृद्ध रहा है। बदलते हुए वैश्विक परिवेश में भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ समाज को समावेशित किया जाना अति आवश्यक है। संपूर्ण छत्तीसगढ़ सहित पाटन महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अध्ययन–अध्यापन जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्तमान में रोजगार परक एवं बहुयामी शिक्षा प्रणाली है। भारतीय

ज्ञान मूल्य के साथ–साथ उद्योग तकनीक कौशल आधारित व्यवहारिक शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आधारित है । उक्त वक्तव्य के साथ ही प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की । इस अवसर पर अन्य महाविद्यालयों से पधारे हुए प्रचार–प्रसार टोली के प्राध्यापक और उनके प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई देते हुए प्राचार्य ने कहा कि संभागीय स्तर पर आयोजित इस कार्यशाला से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न तत्वों जैसे

आंतरिक परीक्षा प्रणाली, ग्रेडिंग प्रणाली, सर्टिफिकेट डिग्री एवं डिप्लोमा स्तर, क्रेडिट प्रणाली आदि को विद्यार्थियों को समझने में मदद मिलेगी।

अति विशिष्ट अतिथि डॉ मैथिलीशरण गुप्ता ने महाविद्यालय में नवनिर्मित क्रिएटिव कॉर्नर की जानकारी प्राप्त की एवं छात्र–छात्राओं की रचनात्मक एवं महाविद्यालय को प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के प्रयासों की सराहना की।

इसके पश्चात विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए प्राध्यापक /सहायक प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की टोली ने अपना परिचय दिया और अपनी टीम द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

कार्यशाला के प्रथम दिवस में प्रथम सत्र में पाटन महाविद्यालय की टोली ने ''अंकों के आतंक से मुक्ति'' शीर्षक नाटक के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ग्रेडिंग प्रणाली का महत्व बताया अगली कड़ी में नुक्कड़ नाटक के रूप में शीर्षक ''शिक्षा का अधिकार है हर युवा तैयार है'' के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला गया। भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर–09 की टोली

प्रहसन के माध्यम से नई और पुरानी शिक्षा प्रणाली में अंतर को स्पष्ट किया ।

प्रथम सत्र का संचालन संयोजक डॉ. गौरव शर्मा ने एवं आभार श्री जागृत कुमार ने किया।

भोजन अवकाश के पश्चात् द्वितीय सत्र में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से पधारी हुई टीम ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण पर आधारित कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। सर्वप्रथम श्री सुगम शिवाले ने गायन प्रस्तुत किया। उसके पश्चात श्री अवध सिंह ठाकुर ने एकल तबला वादन की सफल प्रस्तुति दी। भारत की परंपरागत नृत्य शैलियों में कुमारी वर्षा नायक एवं लिली चौहान ने कथक–नृत्य प्रस्तुत किया। कुमारी अनुपमा तिवारी ने भरतनाट्यम एवं कमारी पूनम गुप्ता ने ओडिसी नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। द्वितीय सत्र का संचालन डॉ. साधना रहाटगाँवकर एवं आभार प्रदर्शन डॉ गौरव शर्मा ने किया।

<u>कार्यालय प्राचार्य</u>
शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन,
जिला–दुर्ग छत्तीसगढ़

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार–प्रसार कार्यशाला''

दिनांक –14.03.2026

प्रतिवेदन

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रचार–प्रसार हेतु आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस का शुभारंभ हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलसचिव डॉ भूपेंद्र कुलदीप के कर–कमलों से हुआ। सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद एवं स्वर्गीय चंदूलाल चंद्राकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गये। इसके पष्चात माँ सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । श्री कामेश देवांगन ने छत्तीसगढ़ राजगीत प्रस्तुत किया। कुमारी दीपांजलि ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

डॉ भूपेंद्र कुलदीप ने उपस्थित सभा को संबोधित किया उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जानकारी देते हुए बतलाया की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के मूल में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में ज्ञान, शिक्षा और मानवीय मूल्यों का समावेष करना शामिल है।

केवल शिक्षा, केवल ज्ञान अथवा केवल मानवीय मूल्यों का विकास व्यक्तित्व को एकांगी कर सकता है। इसमें समन्वय और संतुलन से ही संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। इस समावेशी शिक्षा के रूप में अंगीकृत करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया। उन्होंने आगे कहा कि इस कार्यशाला का आयोजन एक अच्छा प्रयास है, जिससे विद्यार्थीगण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल तत्व को समझ पायेंगे। अंतर विषयक अध्ययन पद्धति में छात्रों में सभी विषयों के प्रति समान लगाव पैदा किया गया है। द्वितीय दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने राष्ट्रीय शिक्षा

प्रणाली की विशेषताओं का उल्लेख किया ।

पाटन महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सुआ नृत्य पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित विशेषताओं को समूह नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके अंतर्गत उन्होंने विभिन्न प्रकार के लागू किए गए कोर्स जैसे जी.ई., डी.एस.सी., डी. एस.ई., वैल्यू एडेड कोर्स, एस.ई.सी. आदि का परिचय दिया। अगली कड़ी में ‘‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बात निराली‘‘ शीर्षक गीत के माध्यम से समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। वैल्यूड एडेड कोर्स (वैक) पर आधारित जन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय से सम्बद्ध नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण महाविद्यालय के विद्यार्थी द्वारा किया गया । प्रथम सत्र का संचालन डॉ गौरव शर्मा ने किया।

भोजन अवकाश के उपरांत कार्यशाला के समापन सत्र में उपस्थित क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग की डॉ अनुपमा अस्थाना ने अपने संबोधन

में बतलाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ‘‘04 सी’’ का महत्वपूर्ण योगदान है। संवाद कौशल (कम्युनिकेशन), रचनात्मकता (क्रिएटिविटी), सहयोग (कोलैबोरेशन) तथा प्रोत्साहन (इनकरेज) अर्थात वैश्विक समाज के सफल सदस्यों अर्थात विद्यार्थियों को विकसित करने के लिए शिक्षा को ‘‘04 सी’’ के ढांचे पर आधारित होना चाहिए। संचार, सहयोग, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक सोच यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सर्वागींण लक्ष्य है।

समापन सत्र का संचालन डॉ गौरव शर्मा ने एवं आभार प्रदर्शन श्री जागृत कुमार एवं श्रीमती आराधना दुबे ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया साथ ही कार्यशाला के समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये गये।

GOVERNMENT CHANDULAL CHANDRAKAR ARTS AND SCIENCE COLLEGE PATAN, DIST- DURG (C.G.)

RUSA SPONSORED WORKSHOP ON NEP 2020
EXPANSION – PROMOTION
On 13th and 14th MARCH 2026

Certificate

This is to be certified that Dr./Ms./Mr. .... of

....

has attended/has acted as .... in the seminar/workshop

organised by the **RUSA 2.0 Preparatory Grant.**

Convenor

Principal

किसी भी प्रकार की कमी नही आने पार्षद भी मौजूद रहे।

चंदूलाल कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रचार-प्रसार कार्यशाला आयोजित

पाटन @ पत्रिका. शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसके मुख्य अतिथि डॉ. एमएस गुप्ता, संचालक रूसा रायपुर थे । अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. नंदा गुरवारा ने किया। विद्यार्थियों ने गीत, प्रहसन, नृत्य- नाटिका, नुक्कड़, नाटक, पोस्टर, रंगोली व लोकगीतों आदि की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गुप्त ने कॉलेज में नवनिर्मित क्रिएटिव कॉर्नर की जानकारी ली। द्वितीय सत्र में भरतनाट्यम ओडिशी और कत्थक नृत्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया। महिला महाविद्यालय भिलाई सेक्टर 9 की टोली ने प्रहसन से नई व पुरानी शिक्षा प्रणाली की तुलना की। सांस्कृतिक संचालन डॉ. साधना राहटगांवकर व आभार जागृत कुमार ने व्यक्त किया। कार्यशाला में विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों सहित अधिकारी-कर्मचारी व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

गीत से बताए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लाभ

शासकीय चंदूलाल चंद्राकार महाविद्यालय पाटन में आयोजन

पाटन कालेज मे दो दिवसीय कार्यशाला मे प्रतिभागी एव अतिथि। ● **कालेज**

नईदुनिया न्यूज, पाटन : शासकीय चंदूलाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के प्रायोजन में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्रचार-प्रसार कार्यशाला का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं ने गीत, प्रहसन, नृत्य-नाटिका, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, रंगोली व लोकगीत के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-20 के महत्वपूर्ण बिंदुओं और क्रियान्वयन को प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ डा. एमएस गुप्ता संचालक रूसा रायपुर के मुख्य आतिथ्य एवं महाविद्यालय प्राचार्य डा. नंदा गुरवारा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यशाला में दुर्ग संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों से प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक एवं एनईपी एम्बेसडर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पाटन महाविद्यालय की टोली ने सुआ-गीत और ललित निबंध के माध्यम से शिक्षा नीति के कोर्स एवं प्रणाली को समझाया, जबकि महिला महाविद्यालय भिलाई की टोली ने प्रहसन द्वारा नई और पुरानी शिक्षा प्रणाली की तुलना की। खैरागढ़ विश्वविद्यालय की संगीत टीम ने भरतनाट्यम, ओडिशी और कत्थक नृत्य प्रस्तुत किए।

डा. गुप्ता ने महाविद्यालय के नव निर्मित क्रिएटिव कार्नर और छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता की सराहना की। प्राचार्य डा. नंदा गुरवारा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति रोजगारपरक, बहुआयामी और कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली है, जो भारतीय ज्ञान मूल्य एवं वैश्विक परिवेश को संतुलित करती है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आंतरिक परीक्षा, ग्रेडिंग, क्रेडिट प्रणाली, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम से अवगत कराना है।

कार्यक्रम का मंचीय संचालन डा. गौरव शर्मा और सांस्कृतिक संचालन डा. साधना राहटगांवकर ने किया। संयोजक जागृत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यशाला में सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रचार-प्रसार में योगदान दिया।

दैनिक भास्कर

भिलाई भास्कर 17-03-2026

दैनिक भास्कर

छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व बताया गया

पाटन| पाटन कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला का समापन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. भूपेंद्र कुलदीप ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा प्रणाली के मूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों में ज्ञान, शिक्षा और मानवीय मूल्य का समावेश करना शामिल है। केवल शिक्षा, ज्ञान या मानवीय मूल्यों का विकास व्यक्तित्व को एकांगी कर सकता है। द्वितीय दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नंदा गुरुवारा ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं का उल्लेख किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग के डॉ. अनुपमा अस्थाना ने अपने संबोधन में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण योगदान है। संवाद कौशल कम्युनिकेशन, रचनात्मक क्रिएटिविटी, सहयोग कोलाब्रेशन तथा प्रोत्साहन इनकरेज।

गीत से बताए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लाभ

शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय पाटन में आयोजन

पाटन कालेज में दो दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी एवं अतिथि। • कालेज

नईदुनिया न्यूज, पाटन : शासकीय चंदूलाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के प्रायोजन में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्रचार-प्रसार कार्यशाला का आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं ने गीत, प्रहसन, नृत्य-नाटिका, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, रंगोली व लोकगीत के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-20 के महत्वपूर्ण बिंदुओं और क्रियान्वयन को प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ डा. एमएस गुप्ता संचालक रूसा रायपुर के मुख्य आतिथ्य एवं महाविद्यालय प्राचार्य डा. नंदा गुरवारा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यशाला में दुर्ग संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों से प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक एवं एनईपी एम्बेसडर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पाटन महाविद्यालय की टोली ने सुआ-गीत और ललित निबंध के माध्यम से शिक्षा नीति के कोर्स एवं प्रणाली को समझाया, जबकि महिला महाविद्यालय भिलाई की टोली ने प्रहसन द्वारा नई और पुरानी शिक्षा प्रणाली की तुलना की। खैरागढ़ विश्वविद्यालय की संगीत टीम ने भरतनाट्यम, ओडिशी और कत्थक नृत्य प्रस्तुत किए।

डा. गुप्ता ने महाविद्यालय के नव निर्मित क्रिएटिव कार्नर और छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता की सराहना की। प्राचार्य डा. नंदा गुरवारा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति रोजगारपरक, बहुआयामी और कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली है, जो भारतीय ज्ञान मूल्य एवं वैश्विक परिवेश को संतुलित करती है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आंतरिक परीक्षा, ग्रेडिंग, क्रेडिट प्रणाली, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम से अवगत कराना है।

कार्यक्रम का मंचीय संचालन डा. गौरव शर्मा और सांस्कृतिक संचालन डा. साधना राहटगांवकर ने किया। संयोजक जागृत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यशाला में सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रचार-प्रसार में योगदान दिया।

रचनात्मक सोच ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य

नवभारत रिपोर्टर । पाटन।

शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला हुई। कार्यशाला के द्वितीय एवं अंतिम दिवस का शुभारंभ हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलसचिव डॉ भूपेंद्र कुलदीप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा प्रणाली के मूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों में ज्ञान, शिक्षा और मानवीय मूल्य का समावेश करना शामिल है। केवल शिक्षा, ज्ञान या मानवीय मूल्यों का विकास व्यक्तिव को एकांगी कर सकता है। इनमें समन्वय और संतुलन से संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। द्वितीय दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नंदा गुरुवारा ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं का उल्लेख किया। खैरागढ़ विश्वविद्यालय से आए प्रतिभागियों ने कत्थक, ओडीसी और भरतनाट्यम के माध्यम से एनईपी के प्रति महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग के डॉ. अनुपमा अस्थाना ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चार (सी) का महत्वपूर्ण योगदान है। संचार, सहयोग, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक सोच यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सर्वांगीण उद्देश्य है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, युगल नृत्य और समूह गान की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संयोजन प्रो.जागृत कुमार, एनईपी प्रभारी डॉ. गौरव शर्मा, संचालक डॉ. साधना राहटगाँवकर और आभार प्रदर्शन प्रो. अराधना दुबे ने किया।

पाटन कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला संपन्न

पाटन (महाकोशल)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला के प्रायोजक राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा रायपुर थे। कार्यशाला के द्वितीय एवं अंतिम दिवस का शुभारंभ हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुल सचिव डॉ भूपेंद्र कुलदीप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा प्रणाली के मूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों में ज्ञान, शिक्षा और मानवीय मूल्य का समावेश करना शामिल है। केवल शिक्षा, ज्ञान या मानवीय मूल्यों का विकास व्यक्तिव को एकांगी कर सकता है, इनमें समन्वय और संतुलन से ही संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। इसे समावेशी

Gopichand Dewangan

शिक्षा के रूप में अंगीकृत करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। प्रदेश के स्तर पर प्रचार प्रसार टोली के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन एक अच्छा प्रयास है जिससे विद्यार्थीगण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल तत्व को समझ पाएंगे। अंतरविषयक अध्ययन पद्धति में छात्रों में सभी विषयों के प्रति समान लगाव पैदा किया गया है। द्वितीय दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नंदा गुरुवारा ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं का उल्लेख किया,प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने बताया कि प्रथम दिवस की कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालय से पधारे प्राध्यापकों और प्रचार प्रसार टोली के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेषकर खैरागढ़ विश्वविद्यालय से आये हुए प्रतिभागियो ने कत्थक, ओडीसी और भरतनाट्यम के माध्यम से एनईपी के प्रति महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग के डॉ अनुपमा अस्थाना ने अपने संबोधन में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चार सी का महत्वपूर्ण योगदान है संवाद कौशल कम्युनिकेशन, रचनात्मक क्रिएटिविटी, सहयोग कोलाब्रेशन तथा प्रोत्साहन इनकरेज अर्थात वैश्विक समाज के सफल सदस्यों अर्थात विद्यार्थियों को विकसित करने के लिए शिक्षा को चार सी के ढांचे पर आधारित होना चाहिए। संचार, सहयोग, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक सोच यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सर्वांगीण उद्देश्य है।

पाटन महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला प्रारम्भ

पाटन। शासकीय चंदूलल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन के द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के प्रायोजन में प्रारंभ हुआ। इस कार्यशाला का विशिष्ट अतिथि डॉ. एम. एस. गुप्ता, संचालक रूसा रायपुर के मुख्य आतिथ्य में एवं डॉ. नंदा गुरवारा प्राचार्य शासकीय चंदूलल चंद्रकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों से पधारे हुए सहयक प्राध्यापक/ प्राध्यापक एवं उनके साथ आए हुए छात्रगण भी शामिल थे। प्रतिभागी छात्रगण अपने महाविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रतिनिधि के रूप में प्रचार प्रसार टोली में शामिल हुए थे। इन छात्र-छात्राओं ने शासकीय महाविद्यालय पाटन के कला मंच में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के महत्वपूर्ण बिंदुओं और उनके क्रियान्वयन के महत्वपूर्ण बिंदुओं को रखते हुए गीत, प्रहसन, नृत्य- नाटिका, नुक्कड़ नाटक आदि माध्यमों का चयन किया। प्रतिभागियो द्वारा पोस्टर, रंगोली एवं लोकगीतों आदि की भी प्रस्तुति की गई। इससे पूर्व राज्य परियोजना कार्यालय रूसा के संचालक डॉ. एम.एस. गुप्ता ने इस आयोजन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नंदा गुरवारा की प्रशंसा की। अपने महाविद्यालयों के सभी सदस्यों और छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रचार प्रसार एवं सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। प्राचार्य एवं कार्यशाला के संरक्षक डॉ नंदा गुरवारा ने कार्यशाला में पधारे अतिथियों, विषय विशेषज्ञों, प्राध्यापकों एन इ पी एम्बेस्डरों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा 2.0 से प्राप्त अनुदान के माध्यम से शासकीय महाविद्यालय पाटन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। वैदिक काल से भारत देश सांस्कृतिक मूल्यों परंपराओं तथा भाषा एवं शिक्षा की दृष्टि से समृद्ध रहा है बदलते हुए वैश्विक परिवेश में भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ समाज को समावेशित किया जाना अतिआवश्यक है। संपूर्ण छत्तीसगढ़ सहित पाटन महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अध्ययन अध्यापन जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्तमान में रोजगारपरक एवं बहुआयामी शिक्षा प्रणाली है। भारतीय ज्ञान मूल्य के साथ-साथ उद्योग, तकनीक कौशल आधारित व्यवहारिक शिक्षा पर आधारित प्रणाली है. कार्यशाला के सफल संचालन के लिए कार्यक्रम संयोजक समिति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं। इस अवसर पर अन्य महाविद्यालयों से पधारे हुए प्रचार-प्रसार टोली के प्राध्यापक और उनके प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रयासों तथा इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की भागीदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि संभागीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न बिंदुओं जैसे आतरिक परीक्षा प्रणाली, ग्रेडिंग प्रणाली, सर्टिफिकेट डिग्री एवं डिप्लोमा स्तर कोर्स, क्रेडिट प्रणाली आदि को विद्यार्थियों को समझने में मदद मिलेगी. मुख्य अतिथि डॉ. एम. एस. गुप्त ने महाविद्यालय में नवनिर्मित क्रिएटिव कॉर्नर की जानकारी प्राप्त की एवं छात्र छात्राओं की रचनात्मकता एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नंदा गुरवरा के प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में दुर्ग संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों से, प्राध्यापक/ सहायक प्राध्यापक सहित एनइ पी एम्बेसडर छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी। जिसमे छात्र-छात्राओं के द्वारा पोस्टर, रंगोली एवं हथ्वकसंबंधी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। पाटन महाविद्यालय की कु. पायल साहू ने ललित निबंध और गायन के कलात्मक संयोजन के माध्यम से विचार अभिव्यक्त किया. पाटन महाविद्यालय की हथ्वक टोली ने छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय सुआ- गीत द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शामिल पाठ्यक्रमों के प्रमुख कोर्स को बताते हुए गीत प्रस्तुत किया. महिला महविद्यालय भिलाई सेक्टर -9 की टोली ने प्रहसन के माध्यम से नई और पुरानी शिक्षा प्रणाली की तुलना की। खैरागढ़ से आये हुए प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में संगीत विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने कार्यशाला के द्वितीय सत्र में भरतनाट्यम ओडिशी और कत्थक नृत्य के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया. महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ साधना राहटगावकर ने हार्मोनियम में खैरागढ़ विश्वविद्यालय की संगीत टीम के साथ भावपूर्ण प्रस्तुती प्रदान की। इस कार्यक्रम का मंचीय संचालन डॉ. गौरव शर्मा ने और सांस्कृतिक संचालन डॉ. साधना राहटगांवकर ने किया. कार्यक्रम के संयोजक श्री जगृत कुमर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यशाला में विभिन्न महविद्यालय के प्रतिभागियो सहित महविद्यालय के समस्त अधिकारीयां कर्मचारियों व छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

प्रक्रिया के अनुसार प्रकरणों का से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कि निर्धारित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार दो दिवसीय कार्यशाला पाटन कालेज में 13 मार्च से

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13 एवं 14 मार्च 2026 को किया जा रहा है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉक्टर संतोष कुमार देवांगन , आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग , अति विशिष्ट अतिथि डॉक्टर मैथिलीशरण गुप्ता, संचालक रूसा , डॉ संजय तिवारी, कुलपति , हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, डॉ अनुपमा अस्थाना, क्षेत्रीय अपर संचालक दुर्ग संभाग होंगे । विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर तपेशचंद्र गुप्ता, क्षेत्रीय अपर संचालक,उच्च शिक्षा रायपुर संभाग व्याख्यान के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर जानकारी प्रदान करेंगे । प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने जानकारी देते हुए बताया कि हृश्वक्क के प्रचार प्रसार हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13 एवं 14 मार्च 2026 को किया जा रहा है जिसके अंतर्गत गीत , प्रहसन , नृत्य- नाटिका, नुक्कड़ - नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी प्रदान की जाएगी । इस आयोजन में दुर्ग संभाग के सभी महाविद्यालय से एक प्राध्यापक /सहा.प्रध्यापक एवं दो विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने हेतु पाटन महाविद्यालय द्वारा आमंत्रित किया गया है और भोजन की व्यवस्था प्रतिभागियों को इस महाविद्यालय द्वारा दी गई है प्रतिभागियों को महाविद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। दो दिवसी हृश्वक्क प्रचार प्रसार कार्यशाला के संरक्षक डॉ नंदा गुरवारा प्राचार्य , संयोजक श्री जागृत कुमार, रूसा प्रभारी, (सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र) डॉ गौरव शर्मा , हृश्वक्क संयोजक (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग) एवं सह सन्योजक श्री बी एम साहू ,सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र तथा श्रीमती आराधना दुबे (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य) हैं ।

शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय पाटन मे दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पाटन (महाकोशल)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13 एवं 14 मार्च 2026 को किया जा रहा है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉक्टर संतोष कुमार देवांगन , आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग , अति विशिष्ट अतिथि डॉक्टर मैथिलीशरण गुप्ता, संचालक रूसा , डॉ संजय तिवारी, कुलपति , हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, डॉ अनुपमा अस्थाना, क्षेत्रीय अपर संचालक दुर्ग संभाग होंगे ।

विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर तपेशचंद्र गुप्ता, क्षेत्रीय अपर संचालक,उच्च शिक्षा रायपुर संभाग व्याख्यान के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर जानकारी प्रदान करेंगे । प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने जानकारी देते हुए बताया कि हृश्वक्क के प्रचार प्रसार हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13 एवं 14 मार्च 2026 को किया जा रहा है जिसके अंतर्गत गीत , प्रहसन , नृत्य- नाटिका, नुक्कड़ - नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी प्रदान की जाएगी । इस आयोजन में दुर्ग संभाग के सभी महाविद्यालय से एक प्राध्यापक /सहा.प्रध्यापक एवं दो विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने हेतु पाटन महाविद्यालय द्वारा आमंत्रित किया गया है और भोजन की व्यवस्था प्रतिभागियों को इस महाविद्यालय द्वारा दी गई है प्रतिभागियों को महाविद्यालय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। दो दिवसी NEP प्रचार प्रसार कार्यशाला के संरक्षक डॉ नंदा गुरवारा प्राचार्य , संयोजकजागृत कुमार, रूसा प्रभारी, (सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र) डॉ गौरव शर्मा , NEP संयोजक (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग) एवं सह सन्योजकबी एम साहू ,सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र तथा आराधना दुबे (सहायक प्राध्यापक वाणिज्य) हैं ।

पाटन कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला संपन्न

Gopichand Dewangan

पाटन (महाकोशल)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला के प्रायोजक राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा रायपुर थे। कार्यशाला के द्वितीय एवं अंतिम दिवस का शुभारंभ हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुल सचिव डॉ भूपेंद्र कुलदीप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा प्रणाली के मूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों में ज्ञान, शिक्षा और मानवीय मूल्य का समावेश करना शामिल है। केवल शिक्षा, ज्ञान या मानवीय मूल्यों का विकास व्यक्तिव को एकांगी कर सकता है, इनमें समन्वय और संतुलन से ही संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। इसे समावेशी शिक्षा के रूप में अंगीकृत करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। प्रदेश के स्तर पर प्रचार प्रसार टोली के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन एक अच्छा प्रयास है जिससे विद्यार्थीगण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल तत्व को समझ पाएंगे। अंतरविषयक अध्ययन पद्धति में छात्रों में सभी विषयों के प्रति समान लगाव पैदा किया गया है। द्वितीय दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नंदा गुरुवारा ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं का उल्लेख किया,प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने बताया कि प्रथम दिवस की कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालय से पधारे प्राध्यापकों और प्रचार प्रसार टोली के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेषकर खैरागढ़ विश्वविद्यालय से आये हुए प्रतिभागियो ने कत्थक, ओडीसी और भरतनाट्यम के माध्यम से एनईपी के प्रति महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग के डॉ अनुपमा अस्थाना ने अपने संबोधन में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चार सी का महत्वपूर्ण योगदान है संवाद कौशल कम्युनिकेशन, रचनात्मक क्रिएटिविटी, सहयोग कोलाब्रेशन तथा प्रोत्साहन इनकरेज अर्थात वैश्विक समाज के सफल सदस्यों अर्थात विद्यार्थियों को विकसित करने के लिए शिक्षा को चार सी के ढांचे पर आधारित होना चाहिए। संचार, सहयोग, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक सोच यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सर्वांगीण उद्देश्य है।

पाटन कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। शास्कीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरुवारा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रचार प्रसार कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला के प्रायोजक राज्य परियोजना कार्यालय राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा रायपुर थे। कार्यशाला के द्वितीय एवं अंतिम दिवस का शुभारंभ हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुल सचिव डॉ भूपेंद्र कुलदीप के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नई शिक्षा प्रणाली के मूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों में ज्ञान, शिक्षा और मान्वीय मूल्य का समावेश करना शामिल है। केवल शिक्षा, ज्ञान या मानवीय मूल्यों का विकास व्यक्तिव को एकांगी कर सकता है, इनमें समन्वय और संतुलन से ही संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है। इसे समावेशी शिक्षा के रूप में अंगीकृत करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। प्रदेश के स्तर पर प्रचार प्रसार टोली के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन एक

अच्छा प्रयास है जिससे विद्यार्थीगण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल तत्व को समझ पाएंगे। अंतरविषयक अध्ययन पद्धति में छात्रों में सभी विषयो के प्रति समान लगाव पैदा किया गया है। द्वितीय दिवस की कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नंदा गुरुवारा ने राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं का उल्लेख किया,प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने बताया कि प्रथम दिवस की कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालय से पधारे प्राध्यापकों और प्रचार प्रसार टोली के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेषकर खैरागढ़ विश्वविद्यालय से आये हुए प्रतिभागियो ने कत्थक, ओडीसी और भरतनाट्यम के माध्यम से एनईपी के प्रति महत्वपूर्ण बिंदुओ को रेखांकित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग के डॉअनुपमा अस्थाना ने अपने संबोधन में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चार सी का महत्वपूर्ण योगदान है संवाद कौशल कम्युनिकेशन, रचनात्मक क्रिएटिविटी, सहयोग कोलाब्रेशन तथा प्रोत्साहन इनकरेज अर्थात वैश्विक समाज के सफल सदस्यों अर्थात विद्यार्थियों को विकसित करने के लिए शिक्षा को चार सी के ढांचे पर आधारित होना चाहिए। संचार, सहयोग, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक सोच यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सर्वांगीण उद्देश्य है।